

MCBS PARTICIPATES IN THE CHANDRAYAN-3 SUCCESS STORY

MCBS successfully participated in the Chandrayan 3 success story by extending its technology expertise.

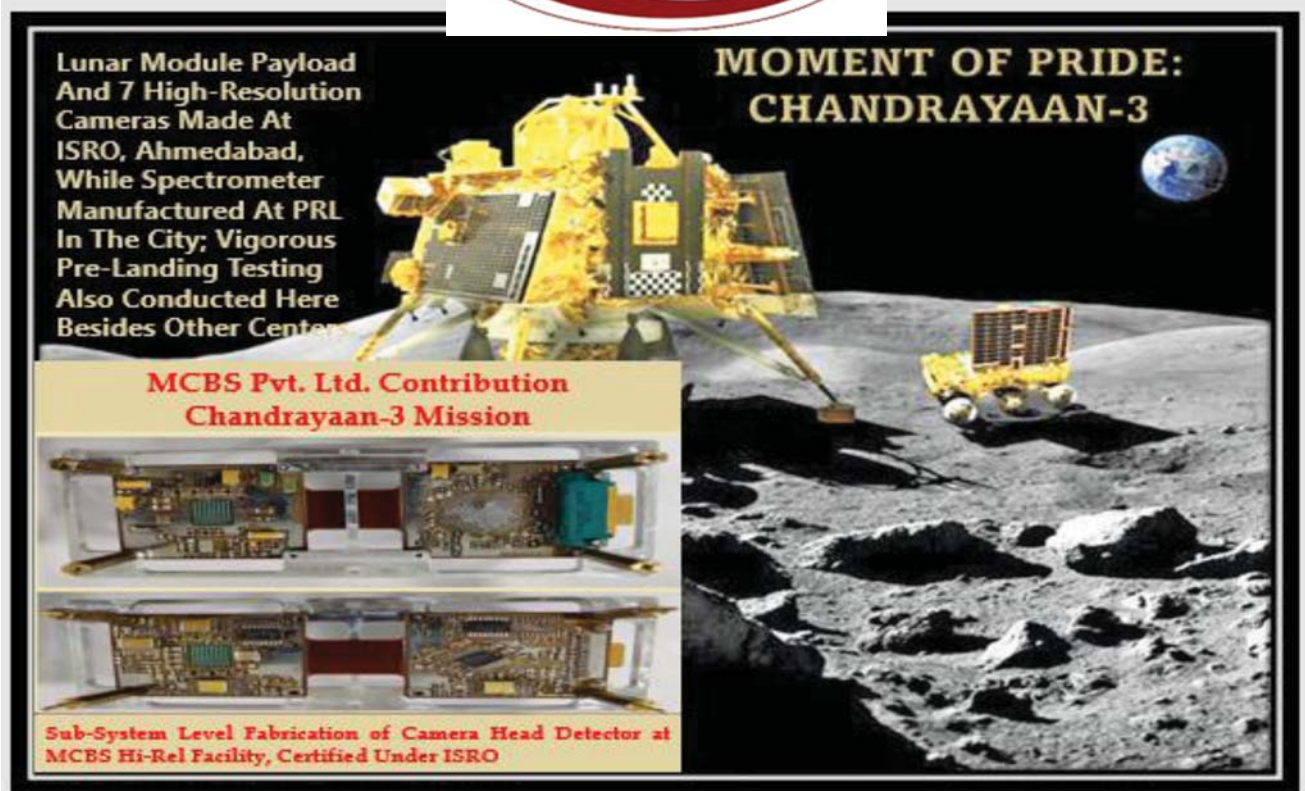
Modern Communication and Broadcast Systems Pvt. Ltd., a reputed member of GEZIA, is situated in B134- B139, GIDC Electronic Estate in Gandhinagar, Gujarat. It is a pioneering organization in the field of Electronics & Communication and has been key contributor in Communication and Broadcasting Industry. MCBS has manufactured and installed more than 4 crores DTH systems and 5000 cable headend which are providing



चंद्रयान 3 की सफलता की कहानी में एमसीबीएस ने भाग लिया

एमसीबीएस ने अपनी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता का विस्तार करके चंद्रयान 3 की सफलता की कहानी में सफलतापूर्वक भाग लिया।

मॉडर्न कम्युनिकेशन एंड ब्रॉडकास्ट सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड, जीईजेडआईए का एक प्रतिष्ठित सदस्य, गुजरात के गांधीनगर में बी134-बी139, जीआईडीएस, इलेक्ट्रॉनिक एस्टेट में स्थित है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार के क्षेत्र में एक अग्रणी संगठन है और संचार और प्रसारण उद्योग में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एमसीबीएस ने 4 करोड़ से अधिक डीटीएच सिस्टम और 5000 केबल हेडएंड का निर्माण और स्थापना की है जो देश

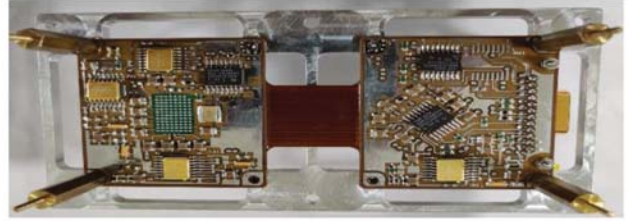


FOCUS: CHANDRAYAN-3 MISSION

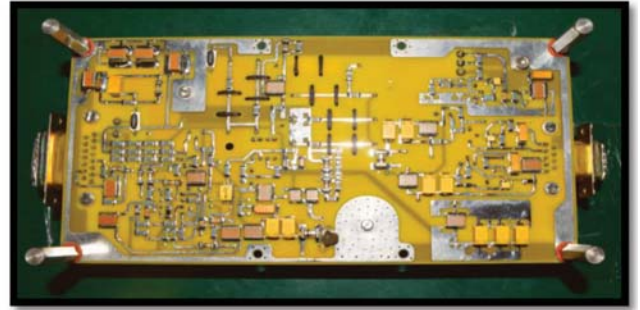
CARTO-3A



CHANDRAYAAN 2 & 3



ADITYA MISSION



information and communication to more than 25 crore viewers in the country. This is great milestone towards development of indigenous technology in India.

Since past 35 Years, from the time of inception under able and skilled leadership of management, it has excelled in various fields of Communication, Broadcasting, Aerospace and Defense, Vigilance & Control Mechanisms, Hi-Rel Electronics, Fiber Optics, Electronics Manufacturing Services and several other Turnkey Projects.

It has also played a major role in providing key technologies to ISRO's Space Programme and Defense Organizations. Some of the salient projects carried out by MCBS are:

Explosion Proof Hi-End CCTV and Ground Hardware for Rocket Launch Operations:

MCBS has played major role in manufacturing & supply of several complex technology-based systems which includes signal switching, routing, control, command, telemetry, up-linking/downlinking and displays all across launch complexes in SHAR. It has also been supplying laser tracking systems for Satellite Tracking to SAC (ISRO). MCBS has supplied many such systems over the past 25 years to almost all ISRO centers like SHAR complexes, LPSC, ISAC, VSSC, MCF Hassan, MCF Bhopal and many other locations.

में 25 करोड़ से अधिक दर्शकों को सूचना और संचार प्रदान कर रहा है। यह भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

पिछले 35 वर्षों से प्रबंधन के सक्षम और कुशल नेतृत्व के तहत स्थापना के समय से, इसने संचार, प्रसारण, एयरोस्पेस और रक्षा, सर्तकता और नियंत्रण तंत्र, हाई-रिल इलेक्ट्रॉनिक्स, फाइबर ऑप्टिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाओं और कई अन्य टर्नकी परियोजनाओं के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

इसने इसरो के अंतरिक्ष कार्यक्रम और रक्षा संगठनों को प्रमुख प्रौद्योगिकियां प्रदान करने में भी प्रमुख भूमिका निभाई है। एमसीबीएस द्वारा संचालित कुछ प्रमुख परियोजनायें हैं:

रॉकेट लॉन्च ऑपरेशन के लिए विस्फोट रोधी हाई एंड सीसीटीवी और ग्राउंड हार्डवेयर:

एमसीबीएस ने कई जटिल प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणालियों के निर्माण और आपूर्ति में प्रमुख भूमिका निभाई है जिसमें सिग्नल स्विचिंग, रूटिंग, नियंत्रण, कमांड, टेलीमेट्री, अप-लिंकिंग/डाउनलिंकिंग और एसएचएआर में सभी लॉन्च कॉम्प्लेक्स में डिस्प्ले शामिल है। यह एसएसी (इसरो) को सैटेलाइट ट्रैकिंग के लिए लेजर ट्रैकिंग सिस्टम की आपूर्ति भी कर रहा है। एमसीबीएस ने पिछले 25 साल में लगभग सभी इसरो केंद्रों जैसे एसएचएआर कॉम्प्लेक्स, एलपीएससी, वीएसएससी, एमसीएफ हसन, एमसीएफ भोपाल और कई अन्य स्थानों पर ऐसी कई प्रणालियों की आपूर्ति की है।

FOCUS: CHANDRAYAN-3 MISSION

MCBS systems have worked with great precision and reliability in harsh environment in SHAR Complex. It is indeed a great achievement for MCBS in developing and providing space-based systems to ISRO.

Education Through Satellite (EDUSAT Programme of ISRO):

MCBS has manufactured and supplied ROT & SIT Systems to ISRO's EduSat programme throughout India in states like Haryana, Punjab, Rajasthan, Odisha & Andhra Pradesh, West Bengal, Gujarat and North Eastern States. MCBS has installed base of more than 1 lakh systems in various locations. MCBS feels proud to have taken the education to rural and remote areas in national interest.

Education Multimedia Communication System:

MCBS has developed Education Multimedia Communication System (EMCS) and GSM SET TOP BOX

Technology with Co-operation of DECU/SAC. These have been deployed in West Bengal and Rajasthan. This technology has been upgraded to 4G with facility for Video Conferencing.

Hi-Rel Manufacturing for Space Grade Products and Systems:

In 2019 MCBS established ISRO Certified Hi-Rel facility to carry out space grade jobs and since then it has been manufacturing various electronics modules and

एमसीवीएस ने एमएचएआर कॉम्प्लेक्समें कठोर वातावरण में बड़ी सटीकता और विश्वनीयता के साथ काम किया है। इसरो को अंतरिक्ष आधारित सिस्टम विकसित करने और प्रदान करना एमसीवीएस के लिए यह वास्तव में एक बड़ी उपलब्धि है।

सैटेलाइट के माध्यम से शिक्षा (इसरो का एडुसैट कार्यक्रम):

एमसीवीएस ने पूरे भारत में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, ओडिशा और आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात और उत्तर पूर्वी राज्यों में इसरो के एडुसैट कार्यक्रम के लिए आरओटी और एसआई टी सिस्टम का निर्माण और आपूर्ति की है। एमसीवीएस ने विभिन्न स्थानों पर 1 लाख से अधिक सिस्टम का आधार स्थापित किया है। एमसीवीएस राष्ट्रीय हित में शिक्षा को ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक ले जाने में गर्व महसूस करता है।

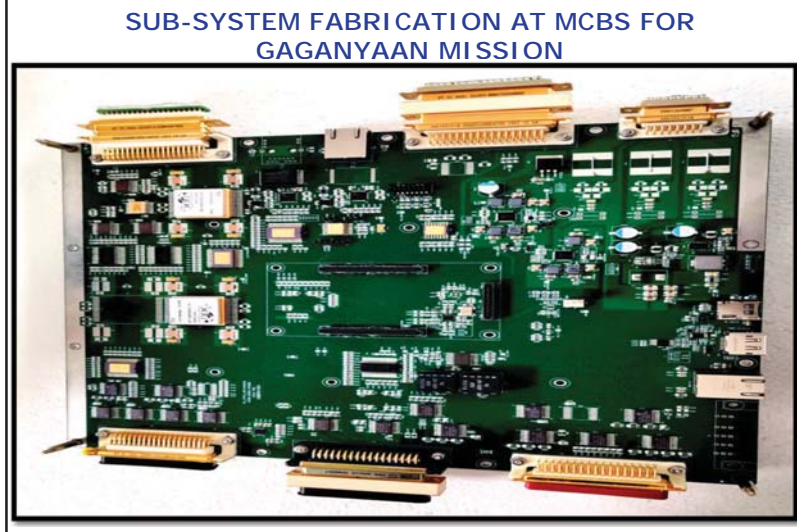
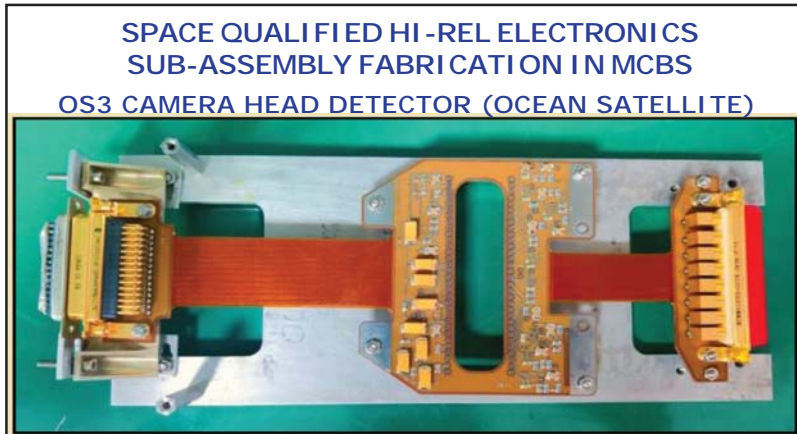
शिक्षा मल्टीमीडिया संचार प्रणाली:

एमसीवीएस ने डीईसीयू/एसएसी के सहयोग से एजुकेशन मल्टीमीडिया कम्युनिकेशन सिस्टम (ईएमसीएस) और जीएसएम सेट टॉप बॉक्स टेक्नोलॉजी विकसित की

है। इन्हें पश्चिम बंगाल और राजस्थान में तैनात किया गया है। इस तकनीक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा के साथ 4जी में अपग्रेड किया गया है।

स्पेस ग्रेड उत्पादों और प्रणालियों के लिए हाई-रिल विनिर्माण:

2019 में एमसीवीएस ने अंतरिक्ष ग्रेड के काम को पूरा करने के लिए इसरो प्रमाणित हाई रिल सुविधा की स्थापना की और तब से यह चंद्रयान, गगनयान, आदित्य मिशन, नाविक, ओशनसैट, जीएसएटी,



FOCUS: CHANDRAYAN-3 MISSION

SPACE QUALIFIED HI-REL FACILITY IN MCBS



subsystems for various space projects like Chandrayan, Gaganyaan, Aditya Mission, Navic, OceanSAT, GSAT, IRSAT, RISAT, IRNSS, ResourceSAT, HRSAT, NISAR etc. Recently camera head assembly subsystem has been fabricated/manufactured at MCBS and has been deployed in Chandrayan 3 Mission. It is part of high-resolution

आईआरएसएटी, आरआईएसएटी, आईआरएनएसएस, रिसोर्ससैट, एचआरसैट, निसार आदि जैसी विभिन्न अंतरिक्ष परियोजनाओं के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स मॉड्यूल और उपप्रणाली का निर्माण कर रहा है। हालही में एमसीवीएस में कैमरा हेड असेंबली सबसिस्टम का निर्माण/उत्पादन किया गया है और चंद्रयान 3 मिशन में इसे लगाया गया है। यह उच्च

HI-REL FACILITY & MANUFACTURING CERTIFICATION UNDER PAX-300 OF ISRO

अंतरिक्ष उपयोग केंद्र
अंतरिक्ष विभाग
भारत सरकार
अहमदाबाद - ३८००१५
गुजरात, भारत

अर्हता प्रमाणपत्र / Certificate of Qualification

Space Applications Centre
Department of Space
Government of India
Ahmedabad - 380015
Gujarat, India

ISSUE DATE: June 25, 2019
CERTIFICATE No.: SAC/SRA/CERT/2019/09
ISSUED BY: PMQD-E/MQAG/SRA/SAC

This is to certify that

Hi-Rel PCB Wiring & Assembly Facility of M/s. MODERN COMMUNICATION AND BROADCAST SYSTEM PVT LTD (MCBS)

At, B134-139, GIDC Electronic Estate Sector -25, Gandhinagar 382024, India, is certified by Space Applications Centre for the Hi-Rel PCB (Wiring & Assembly) fabrication facility for Realization of Flight Hardware, on satisfactorily meeting the ISRO requirements covering operators, tools/material & facility. Details of certification are as under.

Sr. No.	Facility/Process Type	Capabilities
1	Fabrication Facility of PCB (Wiring & Assembly)	PCB wiring & assembly, As per ISRO Guideline - PAX-300, Issue-5.

यह प्रमाणपत्र जून २०, २०२४ तक वैध है। This Certificate is valid up to June 30, 2024.

संदर्भ दस्तावेज़ / Reference Documents

- > परीक्षण रिपोर्ट सं.: ISRO-PAX-300, Issue-5.
- > प्रक्रिया पहचान दस्तावेज़ सं.: SAC/SRA/MQAG/PMQD-E/AUDIT/PCB Facility/MCBS/01/2019, Date: 13/06/2019.

(R.K. Hegde)
प्रधान, पीएमडी-ई/एमएनएसएटी/एसआरए/सैक
Head, PMQD-E/MQAG/SRA/SAC

(G.B. Vyasa)
ग्रुप निदेशक, एमएनएसएटी/एसआरए/सैक
Group Director, MQAG/SRA/SAC

(A.K. Lal)
सहायक निदेशक, एसआरए/सैक
Deputy Director, SRA/SAC

(D.K. Das)
निदेशक, सैक
Director, SAC

FOCUS: CHANDRAYAN-3 MISSION

cameras which have been used for taking images and mapping of terrain on moon. Similarly, it had worked upon camera head assembly subsystem of OceanSAT as well, which was launched on 26th November 2022. MCBS is continuously upgrading technology and facility to undertake more and more challenging task for Aerospace & Defense.

MCBS extends congratulations to ISRO and its brilliant team on the successful landing of Chandrayan 3!

This remarkable achievement once again showcases India's prowess in the field of space science and technology. The dedication, expertise, and innovation that ISRO consistently demonstrates are truly commendable and inspiring to all of us.

About Shree G. C. Jain:

Shree G. C. Jain hails from Ashok Nagar (M.P.). After completing his schooling, he completed his graduation from Jabalpur Engineering College and post-graduation from Indian Institute of Science in advanced electronics. He joined ISRO in 1971, where he has worked with India's Renowned scientists like Dr. Vikram Sarabhai, Prof. Satish Dhawan, Prof. Yashpal and Dr. APJ Abdul kalam. He has set up MCBS in 1986 and his company has developed many key technologies in communication and broadcasting. His company MCBS has been working with ISRO on many space projects. ■



SHREE G. C. JAIN

रिजॉल्यूशन वाले कैमरों का हिस्सा है जिसका उपयोग चंद्रमा पर इलाके की तस्वीर लेने और मानचित्रण के लिए किया गया है। इसी तरह इसने ओसियनसेट के कैमरा हेड असेंबली सबसिस्टम पर भी काम किया है जिसे 26 नवंबर 2022 को लॉन्च किया गया था। एमसीवीएस एयरोस्पेस और रक्षा के लिए अधिक से अधिक चुनौतीपूर्ण कार्य करने के लिए प्रौद्योगिकी और सुविधा को लगातार उन्नत कर रहा है।

हम चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग पर इसरो और उसकी शानदार टीम को हार्दिक बधाई देते हुए रोमांचित हैं!

यह उल्लेखनीय उपलब्धि एक बार फिर अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की शक्ति को प्रदर्शित करती है। इसरो जिस समर्पण, विशेषज्ञता और नयी खोजों का लगातार प्रदर्शन करता है, वह वास्तव में सराहनीय और हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

श्री जी.सी.जैन के बारे में:

श्री जी.सी.जैन, अशोक नगर (म.प्र.) के निवासी हैं। अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से स्नातक और एडवांस इलेक्ट्रॉनिक्स में भारतीय विज्ञान संस्थान से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। वह 1971 में इसरो में शामिल हुए, जहां उन्होंने डॉ. विक्रम साराभाई, प्रो. सतीश धवन, प्रो. यशपाल और डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम जैसे भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के साथ काम किया। उन्होंने 1986 में एमसीवीएस की स्थापना की और उनकी कंपनी ने संचार और प्रसारण में कई प्रमुख प्रौद्योगिकियां विकसित की है। उनकी कंपनी एमसीवीएस इसरो के साथ कई अंतरिक्ष परियोजनाओं पर काम कर रही है। ■

31st Edition
SCAT2023
SCAT INDIA TRADESHOW ■ MUMBAI
8 - 10 October, 2023
Jio World Convention Centre, Mumbai

www.scatindiashow.com

NÜRNBERG MESSE
OFFICIAL MEDIA PUBLICATION
SATELLITE
www.scatmag.com

Contact:
Mob.: +91-9108208956
Email: geetalalwani@nm-india.com